भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

स्टार्टअप
इन्क्यूबेशन एंड
इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

अंक - 03
संस्करण- 03

मार्च 2024

टेककी बात

अभिव्यक्ति'24: नवप्रवर्तन, सहयोग और उपलब्धि।

bhivyakti
INNOVATING
A SUSTAINABLE FUTURE

गुरु

मंत्र

श्री तरूण भार्गव

रणनीति, योजना, वित्तपोषण, शासन, जोखिम, नकदी प्रवाह प्रबंधन

सुशासन और नैतिकता

सुशासन किसी भी सफल कंपनी या संगठन की मूलाधार होता है। इसमें कंपनी को नियंत्रित और प्रबंधित करना, सामूहिक निर्णय लेना और नीतियों को कार्यान्वित करना शामिल है।

दूसरी ओर, नैतिकता व्यक्ति के व्यवहार को मार्गदर्शित करने वाले नैतिक सिद्धांत हैं। भारतीय संस्कृति और शिक्षाओं ने व्यावसायिक मानकों में इन सिद्धांतों को स्थापित किया हैं, जिससे कार्रवाई और निर्णयों की पारदर्शिता बनी रहे। हालाँकि, विकास के साथ-साथ चुनौतियाँ और संभावित संघर्ष भी बढ़ते हैं। इसलिए, अखंडता व सत्यनिष्ठता बनाए रखने और सफलता प्राप्त करने के लिए प्राथमिकताओं को नियमित रूप से अघतन और संशोधित करना महत्वपूर्ण है। इसलिए याद रखें, अच्छा सुशासन यानी संचालन और नैतिकता समृद्ध उद्यम के लिए अत्याधिक आवश्यक है।

प्रमुख बिंदु:

- [x] प्रत्येक उद्यमी का अपना विशिष्ट दृष्टिकोण होता है, जो उनके व्यापारिक परिवेश, उद्यौगिक मानकों और व्यक्तिगत अनुभवों से प्रभावित होता है।
- [x] निरंतर चुनौतियों का सामना करने के लिए नैतिक प्राथमिकताओं को अनुकूलित और परिष्कृत करना आवश्यक है।
- [x] व्यवसायों को स्थापित सीमाओं के भीतर कार्य करना चाहिए और व्यावसायिक भागीदारों के साथ समझौतों का पालन करना भी अत्यंत आवश्यक है।
- [x] एक संगठन अपने संस्थापकों से परे बढ़ता है, जिसमें आंतरिक और बाहरी रूप से कार्य तथा संवाद करने वाले कर्मचारियों का एक नेटवर्क इसमें संलिप्त होता है।

विषय - सूची

नवीन इन्क्यूबेशन

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर में मार्च माह के दौरान नवीन और अभिनव प्रौद्योगिकियों के साथ नए स्टार्टअप शुरू किए गए हैं। स्टार्टअप्स के बारे में जानने के लिए आगे पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 01

मासिक समयरेखा

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर पूरे महीने में संपन्न हुए शानदार गतिविधियों पर गहराई से नज़र डालें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 02

कार्यक्रम की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें ।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 03-04

सफलता की कहानियां

इस भाग में उन प्रेरक स्टार्टअप्स के बारे में जानें जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से हमारे इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 05-06

नवप्रवर्तकों से बात

यह खंड हमारे पाठकों को वर्तमान में एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में इनक्यूबेशन के तहत विशिष्ट, नवीन प्रौद्योगिकियों में से एक से परिचित कराता है। क्रांतिकारी प्रगति और परिवर्तनकारी पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में अधिक जानने के लिए इस खंड को पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 07

नवीन इन्क्यूबेशन

ग्रिडसेंट्री प्राइवेट लिमिटेड, राजेश राठी द्वारा स्थापित एक कंपनी है जो साइबर हमलों से विधुत सबस्टेशन और उनके संचार नेटवर्क को सुरक्षित करने पर कार्य केंद्रित है। यह प्रकिया तीन स्तरों पर कार्यात्मक बनाई जाती है: पहला;अत्याधुनिक रक्षात्मक क्रांति प्रौद्योगिकी का उपयोग अंतर्वेधन (हमला) को रोकने के लिए, दूसरा प्रगतिशील एआई(AI) और एमएल(ML) का उपयोग अंतर्वेधन की पहचान के लिए और तीसरा साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की एक टीम को त्वरित प्रक्रिया के लिए बनाए रखना।

फ्लोटा स्मार्ट वॉटर डिवाइसेज, जिसे भुवन भाटिया और अरुण भाटिया द्वारा स्थापित किया गया है, जिसमें जल प्रबंधन समाधान के लिए एआई(AI) और आईओटी(IOT) तकनीक का उपयोग किया गया है। उनके उपकरण उपभोगता की खपत की निगरानी करते हैं, रिसाव को रोकते हैं और बुनियादी ढांचे के जीवनकाल को बढ़ाते हैं, साथ ही लागत को कम करते हैं और पानी की गुणवत्ता को सुनिश्चित करते हैं। इसकी प्राथमिकता सततता व पर्यावरण की विकासशीलता पर कार्य केंद्रित है जो हमारे संसाधनों को सुरक्षित रखने में मदद करेगी और एक बेहतर भविष्य बनाने में सहायक होगी।

H2 (एच2) पावर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, जिसे अंकुश सरकार ने स्थापित किया है, यह स्टार्टअप वाहनों के लिए उत्कृष्ट हाइड्रोजन परिवर्तन (कनवर्जन) तकनीक बना रहा है, जो कार्बन डाईऑक्साइड (CO2), नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOx) और पार्टिकुलेट (PM), के उत्सर्जन को कम करता है। यह हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइज़र डिज़ाइन(स्टैकेबल व स्केलेबल यानी समायोजित) उद्योगों के लिए व्यापक अनुकूलनता को सुनिश्चित करता है, जो ईंधन सेलों और विविध उपयोगों के लिए स्वच्छ ऊर्जा समाधान प्रदान करता है।

मासिक

समयरेखा

16 फरवरी 24

दानज़ीर वेल्थ मैनेजमेंट (डीडब्ल्यूएम) प्राइवेट लिमिटेड ने स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी) फर्स्ट,आईआईटी कानपुर के साथ एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस प्रतिबद्धता के तहत डीडब्ल्यूएम स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। इस सहयोग का नेतृत्व प्रतिष्ठित संस्थापक डेविड अबिकज़िर ने किया जिसमें अमिता सिंह (संस्थापक, डीडब्ल्यूएम), प्रो. अंकुश शर्मा (प्रभारी प्रोफेसर, एसआईआईसी), डॉ. निखिल अग्रवाल (सीईओ, एसआईआईसी फर्स्ट), और अंकित सक्सेना (सहायक वीपी, निवेश, एसआईआईसी), उपस्थित थे । इस सहयोग का उद्देश्य नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है। वित्तीय संसाधन के माध्यम से, डीडब्ल्यूएम का लक्ष्य एसआईआईसी(SIIC) फर्स्ट के स्टार्टअप्स को सफल बनाने में मदद करना है।

22 मार्च 24

स्वास्थ्य सेवा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (SIIC),आईआईटी कानपुर ने सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रम ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड (जीआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए । इस हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के माध्यम से जीआईएल, एसआईआईसी(SIIC) में इन्क्यूबेटेड मेडटेक और स्वास्थ्य देखभाल-केंद्रित स्टार्टअप को वित्तीय और रणनीतिक सहायता प्रदान करेगा। प्रोफेसर अंकुश शर्मा (SIIC) और श्री वी के तिवारी (GIL) के नेतृत्व में यह सहयोग किया गया, जिसका उद्देश्य भारत में अत्यावश्यक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करने के लिए उत्कृष्ट तकनीकों का उपयोग करना है।

25 मार्च 24

क्रिट्सनम टेक्नोलॉजीज, एक एसआईआईसी (SIIC),आईआईटी कानपुर स्टार्टअप, ने तेलंगाना राज्य भूजल विभाग, तेलंगाना सरकार के साथ मिलकर भूजल संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग किया। इस सहयोग का उद्देश्य नगरीय भूजल के प्रबंधन और गर्मियों के दौरान जल संकट के समाधान के लिए प्रक्रियात्मक उपायों की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करना है। इस साझेदारी से सफल ग्रामीण स्तरीय पहलों की महत्वता को उजागर किया गया, जो समुदायों और पर्यावरण के प्रति सकारात्मक प्रभाव को सुनिश्चित करता है।

कार्यक्रम की

झलकियां

सोशल इनोवेशन लैब वाय सिटी ने 7 मार्च 24 को आईआईटी कानपुर के सहयोग से अपनी दूसरी कोहोर्ट (दल) का शुभारंभ किया,जिसका उद्देश्य एग्रीटेक(कृषि तकनीक) और क्लीनटेक (स्वच्छता तकनीक) क्षेत्र में पहले चरण के स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करना था। इस पहल में 30 प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप्स को समर्थन प्रदान किया गया, और 15 विकास-चरण के उच्च-प्रभावी वाले स्टार्टअप्स को तेजी से बढ़ने में मदद की गई। 900+ आवेदकों में से, 75 स्टार्टअप्स को सिटी के कार्यकारी नेतृत्व और आईआईटी कानपुर के उद्योग और शैक्षिक मार्गदर्शनकर्ताओं से 18 महीनों के लिए मेंटरिंग यानी परामर्श की सुविधा प्राप्त हुई।

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर ने 15 और 16 मार्च को अपने वार्षिक स्टार्टअप उत्सव **'अभिव्यक्ति 24'** का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ की गई और जिसमें उद्यमियों, निवेशकों, सलाहकारों और अधिकारियों को आमंत्रित किया गया। एसआईआईसी(SIIC) इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स ने नवाचार और उद्यमिता के प्रति एसआईआईसी(SIIC) की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए अपने उत्पादों का प्रस्तुतीकरण किया।

और पढ़ें

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय(MeitY) स्टार्टअप हब (MSH) ने 15 मार्च 2024 को स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (SIIC), आईआईटी कानपुर के साथ साझेदारी में "स्टार्टअप-इन्वेस्टर कनेक्ट प्रोग्राम" को सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम ने उभरते उद्यमियों और प्रमुख निवेशकों को उत्साहजनक और गहनवार्ता के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया ।

और पढ़ें

कार्यक्रम की

झलकियां

एआईआईडीई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (AIIDE Center of Excellence) ने एक गोलमेज़ चर्चा का आयोजन किया,जिसमें एचडीएफसी बैंक की सुश्री स्मिता भगत के साथ स्टार्टअप्स के लिए अनुकूलन बैंकिंग समाधान के सन्दर्भ में विचार-विमर्श किया गया ताकि हितधारकों के बीच संचार को बढ़ावा मिले।

और पढ़ें

एसआईआईसी(SIIC)-इनक्यूबेटेड स्टार्टअप, **फोरेंसिक साइबर टेक** ने हाल ही में नई दिल्ली में डेफकनेक्ट 2024 में अपने अभूतपूर्व साइबर फोरेंसिक उत्पाद का अनावरण किया। उनके नवाचार ने रक्षा मंत्री माननीय राजनाथ सिंह का ध्यान आकर्षित किया, यह स्पष्ट रूप से स्टार्टअप्स की नवचारिता की महत्वपूर्णता को विशद रूप से प्रकट करता है।

और पढ़ें

11 मार्च, 2024 को, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (IIT कानपुर) ने प्रोफेसर तरुण गुप्ता द्वारा विकसित, अपने नए एयर सैंपलिंग डिवाइस **"मल्टीपल स्लिट नोजल-आधारित हाई वॉल्यूम PM2.5 इम्पैक्टर असेंबली"** ('Multiple Slit Nozzle based High Volume PM2.5 Impactor Assembly') को लॉन्च किया, जो प्रदूषक, सांस लेने की क्षमता और परिवेश की स्थिति जैसे वायु गुणवत्ता मानकों का मूल्यांकन करने में सक्षम है। इस तकनीक के लाइसेंस को अधिकृत करने के लिए,संस्थान ने एयरशेड प्लानिंग प्रोफेशनल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है, जिसका उद्देश्य महंगे आयातित एयर सैंपलर्स और इम्पैक्टर्स को प्रतिस्थापित करना है। एसआईआईसी (SIIC) और एयरशेड प्लानिंग प्रोफेशनल्स प्राइवेट लिमिटेड के महत्वपूर्ण व्यक्तियों ने समारोह में भाग लिया।

और पढ़ें

कार्यक्रम की

झलकियां

सोशल इनोवेशन लैब वाय सिटी ने 7 मार्च 24 को आईआईटी कानपुर के सहयोग से अपनी दूसरी कोहोर्ट (दल) का शुभारंभ किया,जिसका उद्देश्य एग्रीटेक(कृषि तकनीक) और क्लीनटेक (स्वच्छता तकनीक) क्षेत्र में पहले चरण के स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करना था। इस पहल में 30 प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप्स को समर्थन प्रदान किया गया, और 15 विकास-चरण के उच्च-प्रभावी वाले स्टार्टअप्स को तेजी से बढ़ने में मदद की गई। 900+ आवेदकों में से, 75 स्टार्टअप्स को सिटी के कार्यकारी नेतृत्व और आईआईटी कानपुर के उद्योग और शैक्षिक मार्गदर्शनकर्ताओं से 18 महीनों के लिए मेंटरिंग यानी परामर्श की सुविधा प्राप्त हुई।

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर ने 15 और 16 मार्च को अपने वार्षिक स्टार्टअप उत्सव '**अभिव्यक्ति 24**' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ की गई और जिसमें उद्यमियों, निवेशकों, सलाहकारों और अधिकारियों को आमंत्रित किया गया। एसआईआईसी(SIIC) इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स ने नवाचार और उद्यमिता के प्रति एसआईआईसी(SIIC) की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए अपने उत्पादों का प्रस्तुतीकरण किया।

और पढ़ें

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय(MeitY) स्टार्टअप हब (MSH) ने 15 मार्च 2024 को स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (SIIC), आईआईटी कानपुर के साथ साझेदारी में "स्टार्टअप-इन्वेस्टर कनेक्ट प्रोग्राम" को सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम ने उभरते उद्यमियों और प्रमुख निवेशकों को उत्साहजनक और गहनवार्ता के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया ।

और पढ़ें

सफलता की कहानियां

यूनेको

यूनेको, स्टार्टअप गेटवे फॉर गारबेज फ्री सिटीज़ (एसजीजीएफसी) के कार्यक्रम द्वारा पुरस्कृत, जो 21 फरवरी को स्टार्टअप इन यूपी(Startup in UP) द्वारा आयोजित "अमृत काल" उत्तर प्रदेश स्टार्टअप और सम्मान समारोह में भाग लिया। उन्हें स्टार्टअप इन यूपी से अनुदान और समर्थन प्राप्त प्राप्त हुआ और साथ ही साथ उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्रा के साथ महत्वपूर्ण चर्चा में भाग लेने का अवसर भी मिला।

और पढ़ें

नोकार्क

नोकार्क ने इंडिया एंजेल नेटवर्क(आईएएन) से 2 मिलियन डॉलर का निवेश प्राप्त किया। यह वित्तपोषण (फंडिंग) विशेष रूप से गंभीर देखभाल वितरण (क्रिटिकल केयर डिलीवरी) में सुधार के लिए डिज़ाइन किए गए स्मार्ट आईसीयू उपकरण को विकसित करने में नोकार्क के विशिष्ट योगदान को उजागर करती है, जो क्रिटिकल केयर के मानकों को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लाइफ एंड लिम्ब

लाइफ एंड लिम्ब ने 21 फरवरी, 2024 को 14वें एजिस ग्राहम बेल अवार्ड के 'इनोवेशन इन डीपटेक' श्रेणी में जीत हासिल की, इस कार्यक्रम को MeitY स्टार्टअप हब द्वारा समर्थित किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गड़करी भी उपस्थिति थे।

और पढ़ें

कृषि मंडी

कृषि मंडी को केएनआईटी, सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश में आयोजित "पूर्वांचल महोत्सव " में सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप के रूप में सम्मानित किया गया। उन्हें एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने के लिए पहचान मिली जो न केवल फसल की पैदावार और गुणवत्ता का पूर्वानुमान लगाता है बल्कि किसानों और विभिन्न प्रकार के खरीदारों के बीच एक सेतु के रूप में भी काम करता है।

और पढ़ें

पिच बैटल (अभिव्यक्ति 24)

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर ने 15 मार्च को अपने वार्षिक स्टार्टअप फेस्टिवल "अभिव्यक्ति" के दौरान एक पिच बैटल का आयोजन किया, जिसमें स्टार्टअप्स को अपने नवाचार प्रदर्शित करने का मौका मिला। पिच बैटल के अंत में विजेताओं की घोषणा की गई ,जिसमें लाइफ एंड लिम्ब प्राइवेट लिमिटेड को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में प्रथम स्थान, एक्वाफ्रंट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को पर्यावरणीय संवेदनशीलता के लिए दूसरा स्थान, और नाडी पल्स प्रोग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड को स्वास्थ्य निदान के लिए तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बीएचएस रोबोटिक्स

बीएचएस रोबोटिक्स ने 13 और 17 मार्च 24 को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ और सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज, आगरा में अपने बुद्धिमत्ता से संपन्न बहुउद्देशीय कीटाणुशोधन रोबोटो(इंटेलिजेंट मल्टीपर्पज डिसइन्फेक्शन रोबोट्स) को लगाया। इस परिनियोजन(डिप्लॉयमेंट) को स्वास्थ्य सेवा में ग्रीन गैस लिमिटेड की सीएसआर पहलों का समर्थन मिल रहा है। आगरा में आयोजित इस कार्यक्रम में लखनऊ केजीएमयू की कुलपति प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद और उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव श्री नरेंद्र भूषण, एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता और एसआईआईसी(SIIC) के प्रोफेसर-इन-चार्ज, प्रोफेसरअंकुश शर्मा शामिल थे।

और पढ़ें

SIL कोहोर्ट 2

"स्टार्टअप गेटवे फॉर गार्बेज फ्री सिटीज" के दल (कोहोर्ट)1 से चार स्टार्टअप्स - जलसेवक, आर्क रोबोटिक्स, यूनेको और जिवोल - ने "CITI" के प्रतिस्पर्धी सोशल इनोवेशन लैब के दल (कोहोर्ट)2 में मान्यता प्राप्त की। 900 आवेदनों में से 75 उत्कृष्ट स्टार्टअप्स का चयन किया गया, और उनमें से आर्क रोबोटिक्स और जलसेवक सॉल्यूशंस को प्रत्येक के लिए 25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। जिवोल बायोफ्यूल्स और यूनिको को प्रारंभिक स्तर के कार्यक्रम में भागीदारी के लिए प्रत्येक को 12.5 लाख रुपये प्रदान किया गया ।

ड्रीम एयरोस्पेस

ड्रीम एयरोस्पेस, सतत प्रणोदन प्रणालियों में शिरोमणि तथा अंतरिक्ष नवाचार में सबसे अग्रणी है। 2022 में स्थापित हुई यह विशिष्ट स्टार्टअप द्रुतगामी क्यूबसेट से लेकर विस्मयकारी रॉकेट तक के मिशनों के लिए एक व्यापक समाधान के साथ में क्रांति लाने के लिए तैयार है। हमने ड्रीम एयरोस्पेस के सह-संस्थापक और सीईओ, हरि कृष्णन के साथ बातचीत की, जहाँ उन्होंने हमारी पृथ्वी की सुरक्षा व सतत अंतरिक्ष अन्वेषण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और मौजूदा ज्ञान की सीमाओं से परे नए अनुभव, सिद्धांत व खोज के बारे में चर्चा की।

एसआईआईसी(SIIC): आपकी विशेषज्ञताएं क्या हैं?

हरि कृष्णन (एचके): हम अगली पीढ़ी के प्रणोदन प्रणालियों का निर्माण करते हैं जो विश्वसनीयता, प्रदर्शन और कुशलता को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं। हमारी विशेषज्ञता अंतरिक्ष अन्वेषण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में फैली हुई है,जिससे हम नवीनतम थ्रस्टर्स, हरित प्रणोदन समाधान, और रॉकेट इंजनों को अपने विशिष्ट मिशन आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित कर सकते है।

एसआईआईसी(SIIC): आपका उत्पाद हमारे ग्रह की सुरक्षा में कैसे योगदान देता है?

एचके: हमारे HAN-आधारित हरित प्रणोदक(प्रोपेलेटस) अंतरिक्षयान के लिए पारंपरिक रासायनिक प्रणोदक की तुलना में कई फायदे प्रदान करते हैं। इनका रवाकरणीय(क्रिस्टलाइजेशन) बिंदु कम होता है तथा ठंडे तापमान में द्रव अवस्था में होने के कारण इसका संचयन और संचालन(हैंडलिंग) करना आसान होता हैं। उच्च घनत्व और आयतनमितीय (वॉल्यूमेट्रिक) आवेग के साथ वे अंतरिक्षयान की दक्षता और वहन क्षमता को बढ़ाते हैं। कम विषाक्तता होने के कारण ये पर्यावरण के लिए न्यूनतम जोखिम पैदा करते हैं तथा जोखिमपूर्ण सामग्री, सम्बंधित अवसंरचना लागत को कम करते हैं। अंतरिक्ष अन्वेषण के भविष्य के लिए इसको एक आकर्षक विकल्प के रूप में देख सकते है।

एसआईआईसी (SIIC): आपका उत्पाद सुरक्षा आवश्यकताओं को कैसे पूरा करता है?

एचके: हमारे प्रणोदन(प्रोपल्शन) समाधान गहन शोध, अत्याधुनिक तकनीक और निरंतर नवाचार के प्रति निष्ठा व समर्पण का परिणाम है। कुशल विशेषज्ञों की हमारी टीम क्लाइंट (ग्राहक) के साथ मिलकर काम करती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक उत्पाद हमारे सख्त विनिर्देशों और मानकों को पूरा करता है। हम अवधारण से लेकर प्रक्षेपण तक एक सहज अनुभव को सुनिश्चित करते हैं, जो हम सभी को अंतरिक्ष अन्वेषण में नई ऊंचाइयों की ओर ले जाता हैं।

एसआईआईसी(SIIC): आपको एसआईआईसी से क्या मदद मिली?

एचके: प्रारम्भ में, फ्रीलांसिंग रॉकेट-निर्माण क्लासेस ने वित्त(फण्ड) प्रदान किया। हमें एसआईआईसी(SIIC) से महत्वपूर्ण सहयोग मिला, जो नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देता है। एसआईआईसी(SIIC) ने हमारे परियोजना की क्षमता को मान्यता दी और संसाधन प्रदान किए। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने हमें रणनीतिक दिशा प्रदान की। निधि प्रयास, टेनसीड (TANSEED) और सिटी से हमें अनुदान मिला, जिसने हमें प्रमुख प्रोटोटाइप के साथ नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

> “भूमि से परे सपने को साकार करने के लिए अटूट समर्पण और प्रतिबद्धता आवश्यक है।" ...
> **हरि कृष्णन**

अंक - 03 | संस्करण- 03 | मार्च 2024

आगामी

अनुदान/कार्यक्रम/ कार्यशालाएं

15 अप्रैल 2024

उत्पाद को विजयी बनाना: बाजार अनुसंधान और ग्राहक अनुभव की शक्ति।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

HDFC BANK
ICICI Securities
Godrej
infoedge
CUGL Central U.P. Gas Limited
MCX Metal & Energy Trade with Trust
citi
CAPRI GLOBAL CAPITAL LIMITED
आर ई सी REC
ETS-LINDGREN An ESCO Technologies Company
standard chartered
FORUM
NTT DATA
Ansys
DANA
GREEN GAS LIMITED
NATIONAL INFORMATICS CENTRE SERVICES INCORPORATED NICSI
SKODA | VOLKSWAGEN
Boehringer Ingelheim
SAFEXPRESS Distribution Redefined
PREMJI INVEST

वित्तपोषण और पर्यवेक्षण

DSIR
DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY Ministry of Science & Technology Government of India
Ministry of Electronics and Information Technology Government of India
Department of Science and Technology Ministry of Science and Technology Government of India
Ministry of Housing and Urban Affairs Government of India
बाइरैक birac
NIDHI by DST Entrepreneur-in-Residence
GOVERNMENT OF UTTAR PRADESH
UP START INUP A Government of UP Initiative
icmr INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
iDEX Innovations for Defence Excellence
SIDAC
sidbi
MSME
MeitY Startup Hub
SBI

ज्ञान

futureskills prime A MeitY - NASSCOM Digital Skilling Initiative
DWIH New Delhi Land of Ideas

कृत्रिम बुद्धिमता संवर्ध

PELTARION

उद्योग

FICCI
मानकः पथप्रदर्शकः
AiMED Encouraging Responsible Manufacturing Association of Indian Medical Device Industry

अंतर्राष्ट्रीय

iit STARTUPS
Singapore Indian Chamber of Commerce & Industry
MEET VENTURES
TORONTO BUSINESS DEVELOPMENT CENTRE

सेवा

aws
exotel
freshworks

क्लीनिकल

आत्मना सर्वं जितः
AIG HOSPITALS
Ruby Hall Clinic
Narayana Health Health for all. All for health.

अंक - 03 | संस्करण- 03 | मार्च 2024

मार्च 2024

टेककी बात

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

www.siicincubator.com

सिडबी बिल्डिंग, सिक्स्थ एवेन्यू आईआईटी कानपुर
कल्याणपुर, कानपुर उत्तर प्रदेश 208016

इनोवेशन हब, आईआईटी कानपुर आउटरीच सेंटर,
ब्लॉक सी, सेक्टर 62, नोएडा